NBT
नवभारत टाइम्स

ई चौपाल के जरिये लाखों किसानों को आत्मनिर्भर बनाने वाली कंपनी अब इसे बनाएगी डिजिटल

किसानों की बेहतरी के लिए दो दशक पहले ई-चौपाल (e-choupal) शुरू करने वाली कंपनी आईटीसी (ITC) अब इसके दायरा और बढ़ाने की तैयारी में है। कंपनी ने एक क्रांतिकारी फार्म इनोवेशन (Farm Innovation) के जरिये बीते 20 साल में 40 लाख किसानों को को इससे जोड़ चुकी है। अब इसका डिजिटल अवतार आईटीसी ई-चौपाल 4.0 (e-choupal 4.0) लाया जा रहा है। कंपनी ने इसे वर्ष 2030 तक पूरी तरह से फंक्शनल करने का लक्ष्य रखा है। इससे देश के करीब 1 करोड़ किसानों को जोड़ा जाएगा।

July 15, 2020

शिशिर चौरसिया |नई दिल्ली

हाइलाइट्स

- आईटीसी का खेती-ब
  कारोबार देश के 21 रा
  ज्यादा जिलों में फैला है
- इस समय 30 अलग-अल
  उत्पादों से जुड़ी है आईटी
- कंपनी के बारह महीने ह
  से 2 लाख से ज्यादा कि
  है लाभ
- अब ई-चौपाल का डिजि
  तैयारी चल रही है ताकि
  अधिक लाभ हो सके

ई चौपाल के जरिये लाखों किसानों को आत्मनिर्भर बनाने वाली कंपनी अब इसे बनाएगी डिजिटल

दो दशक पहले ही किसानों से जुड़ कर कारोबार करने वाली देशी कंपनी आईटीसी अब अपने ई-चौपाल को नया रूप देने की तैयारी में है। इस समय आईटीसी फसल उपजाने, उसकी खरीद, सप्लाई चेन, प्रोसेसिंग और मार्केटिंग समेत कृषि की पूरी वैल्यू चेन (Value chain) में मजबूत उपस्थिति के साथ ही यह भारत के सबसे बड़े एकीकृत कृषि कारोबार से जुड़ी कंपनियों में शुमार है। अब कंपनी ने अपने नवीनतम संस्करण ई-चौपाल 4.0 को धरातल

पर उतारने की तैयारी में है। कंपनी ने तया किया है कि वर्ष 2030 तक वह इसके जरिये 1 करोड़ किसानों तक पहुंचेगी। इसमें डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का उपयोग किया जाएगा और किसानों को उनके अनुरूप सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

सरकार के सुधार के कदम होंगे मददगार

आईटीसी लिमिटेड के एग्री बिजनेस डिवीजन के डिवीजनल चीफ एक्जीक्यूटिव रजनीकांत राय ने बताया कि कृषि मार्केटिंग के क्षेत्र में सरकार की ओर से हाल में घोषित सुधार कॉरपोरेट सेक्टर की भागीदारी के साथ कृषि क्षेत्र में नए इनोवेशन को बढ़ावा देने में मददगार होंगे। इन सुधारों में उत्पादन की क्षमता और कृषि उत्पादों की मार्केटिंग को बढ़ावा देने की क्षमता है, जिससे कृषि आय बढ़ेगी और कीमतों में स्थिरता सुनिश्चित होगी और उपभोक्ताओं तक कृषि उत्पादों की उपलब्धता भी सुनिश्चित होगी। इस दिशा में आईटीसी की ई-चौपाल पहल किसानों को इस बदलाव से कदम मिलाकर चलने में बहुत महत्वपूर्ण साबित होगी। नई पीढ़ी के किसानों द्वारा डिजिटल कनेक्टिविटी और डिजिटल टेक्नोलॉजी की ओर बढ़ते कदमों को देखते हुए ई-चौपाल 4.0 खेत से लेकर उपभोक्ता तक की पूरी वैल्यू चेन को नई ऊंचाई पर ले जाने के लिए तैयार है।

आईटीसी एग्री बिजनेस

आईटीसी एग्री बिजनेस कई कृषि उत्पादों के मामले में अग्रणी घरेलू कंपनियों व निर्यातकों में शुमार है। इसके पोर्टफोलियो में 21 से ज्यादा राज्यों के 30 अलग-अलग प्रकार के उत्पाद हैं - जिसमें गेहूं और गेहूं से संबंधित उत्पाद (मैदा), चावल, सोया, कॉफी, झींगा, प्रसंस्करित फल, आलू, मसाले, दाल, जौ और मक्का शामिल हैं। फसल उत्पादन में दशकों की विशेषज्ञता के दम पर आईटीसी का कृषि कारोबार कस्टमाइज्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर और टेक्नोलॉजी स्थापित करता है, जिससे भारत और विदेश के ग्राहकों को अलग और बेहतरीन गुणवत्ता के उत्पाद मिल पाते हैं।

ई-चौपाल इको-सिस्टम

आईटीसी का ई-चौपाल नेटवर्क दुनिया का सबसे बड़ा ग्रामीण डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर है, जो किसानों को सशक्त करने के लिए इंफोर्मेशन टेक्नोलोजी का इस्तेमाल करता है। यह कृषि क्षेत्र में होने वाले बदलावों को बेहतरीन तरीके से प्रस्तुत करता है, जिससे न केवल इन्फ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी, सही कीमत का पता लगाने और बाजार तक पहुंच सुनिश्चित करने जैसी किसानों की अहम जरूरतें पूरी होती हैं, बल्कि अन्य सेवाओं और शोध आधारित कृषि संबंधी जानकारियों की मदद से कृषि उत्पादकता में भी उल्लेखनीय सुधार होता है। चौपाल प्रदर्शन खेत जैसी पहल की मदद से किसानों तक खेती की सर्वश्रेष्ठ विधाओं की पहुंच सुनिश्चित होती है और उत्पादकता बढ़ाने में इसका प्रभाव भी दिखा है। ई-चौपाल नेटवर्क के तहत आईटीसी ने चौपाल सागर के नाम से रूरल इंटीग्रेटेड हब भी स्थापित किए हैं, जो खरीद केंद्र, वेयरहाउस और रिटेल आउटलेट की भूमिका निभाते हैं। आईटीसी ने गांव के मेले की तर्ज पर चौपाल हाट के नाम से मार्केटिंग प्लेटफॉर्म भी बनाए हैं, जहां ग्रामीण उपभोक्ताओं को जोड़ा जाता है। इसमें स्वास्थ्य चौपाल भी शामिल है, जो मातृत्व स्वास्थ्य व शिशु देखभाल के मामले में जागरूकता बढ़ाने पर फोकस करता है।

क्या है नए संस्करण में

ई-चौपाल मॉडल का नवीनतम संस्करण ई-चौपाल 4.0 अपने मौजूदा स्वरूप में एग्री सर्विसेज एग्रीगेटर मॉडल के जरिये कृषि उद्यमिता और एग्री-टेक स्टार्टअप्स को मजबूत करने पर फोकस करता है। साथ ही इसमें आधुनिक टेक्नोलॉजी और जानकारियों, क्रॉप एडवाइजरी, फसल की मांग के आकलन, मौसम के पूर्वानुमान व अन्य

माध्यमों से किसानों को विभिन्न मानकों पर सशक्त किया जाता है, जिससे अंततः किसानों की आय बढ़ती है। ई-चौपाल 4.0 में प्राथमिक तौर पर मोबाइल फोन और डिजिटल टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाता है। 2019 में इसकी कई पायलट परियोजनाओं को शुरू किया गया था। यह एग्री-टेक स्टार्टअप्स के लिए प्लग एंड प्ले प्लेटफॉर्म की तरह काम करेगा। इस मॉडल में विस्तार के मानक को इस इकोसिस्टम में जुड़े गांवों व किसानों की संख्या के साथ-साथ ई-चौपाल के फिजिकल फॉर्मेट में इनके जुड़ने की संख्या के आधार पर तय किया गया है। ई-चौपाल 4.0 के तहत व्यक्तिगत जरूरत के आधार पर मिलने वाली सेवाएं और बेहतर होंगी तथा यह डाटा एनालिटिक्स से संचालित होगा।

40 लाख किसान हुए सशक्त

ई-चौपाल के इको-सिस्टम ने अभी तक 40 लाख से ज्यादा किसानों को सशक्त बनाया है। विकास के अपने विभिन्न चरणों में ई-चौपाल नेटवर्क ने कई ऐसे इंटीग्रेटेड सॉल्यूशन दिए हैं, जिनसे उपभोक्ताओं की मांग के आधार पर उत्पादन की व्यवस्था तैयार करते हुए वैल्यू चेन को पुनर्गठित कर कृषि उत्पादकता बढ़ाई गई है और किसानों की आय में भी वृद्धि हुई है, आईटीसी ई-चौपाल पहल का लक्ष्य सबकुछ एक-दूसरे से जोड़ते हुए किसानों का संपूर्ण सशक्तीकरण करना है। आईटीसी ई-चौपाल ने एक बेहतरीन 'फार्म टू फॉर्क' (खेत से थाली तक) एग्री-वैल्यू चेन विकसित किया है, जिससे कृषि उपज की बेहतर डिलीवरी सुनिश्चित होती है।

बारह महीने हरियाली

किसानों की आय बढ़ाने के सरकार के लक्ष्य के अनुरूप एक कदम आगे बढ़ाते हुए आईटीसी ने बारह महीने हरियाली के नाम से एक इंटीग्रेटेड प्रोग्राम भी शुरू किया है। यह किसानों की आय को बढ़ाने के जटिल काम को नया आयाम देता है। इस प्रोजेक्ट को उत्तर प्रदेश और बिहार के कई जिलों में लागू किया गया है और इससे करीब दो लाख किसान जुड़े हैं। इस पहल के जरिये करीब 30,000 किसानों ने अपनी आय को दोगुना करने में मदद मिली है।